Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyala, Mangalwedha

Bsc-II

Paper-V

Plant Anatomy

Department of Botany
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya, Mangalwedha

IQAC
Coordinator
Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan
Mahavidyalaya, Mangalwedha

Principal
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Tal-Mangalwedha Dist - Solapur

Scanned with OKEN Scanner

Dicot
&
Monocot Stem

Scanned with OKEN Scanner

Epidermis

Dicot stem

Multi cellular epidermal hairs are present in many cases.

Thin cuticle covers the epidermal layer.

Monocot stem

The multicellular epidermal hairs are absent.

Thick epidermal layer covers the epidermal layer.

Scanned with OKEN Scanner

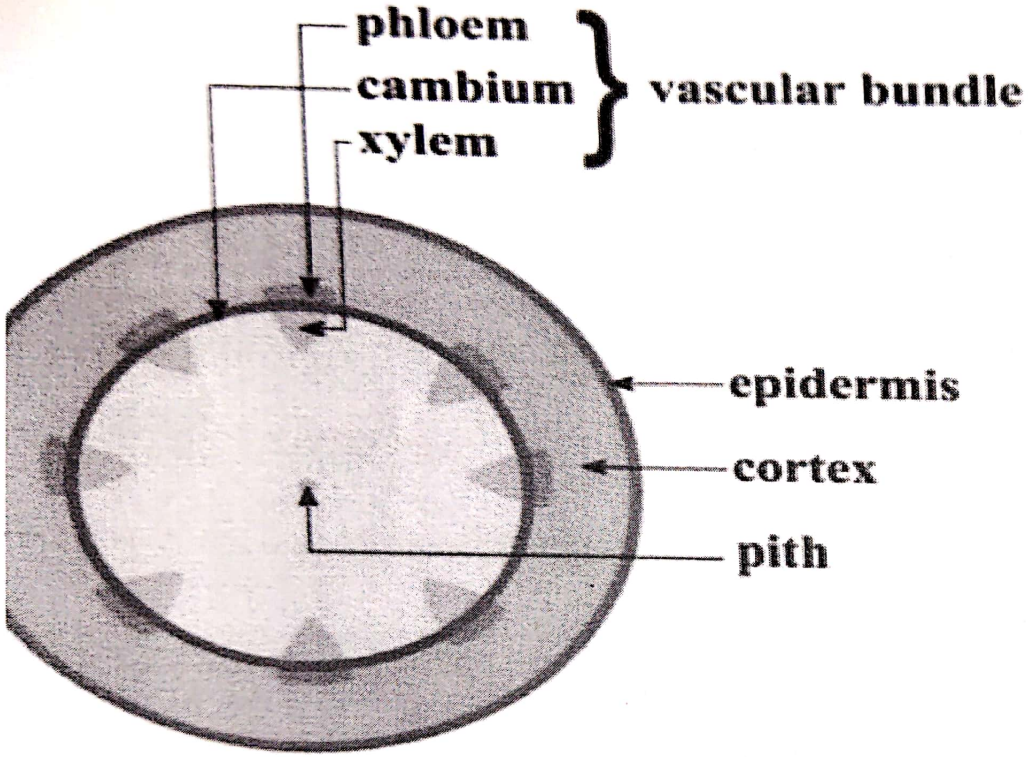

Monocot

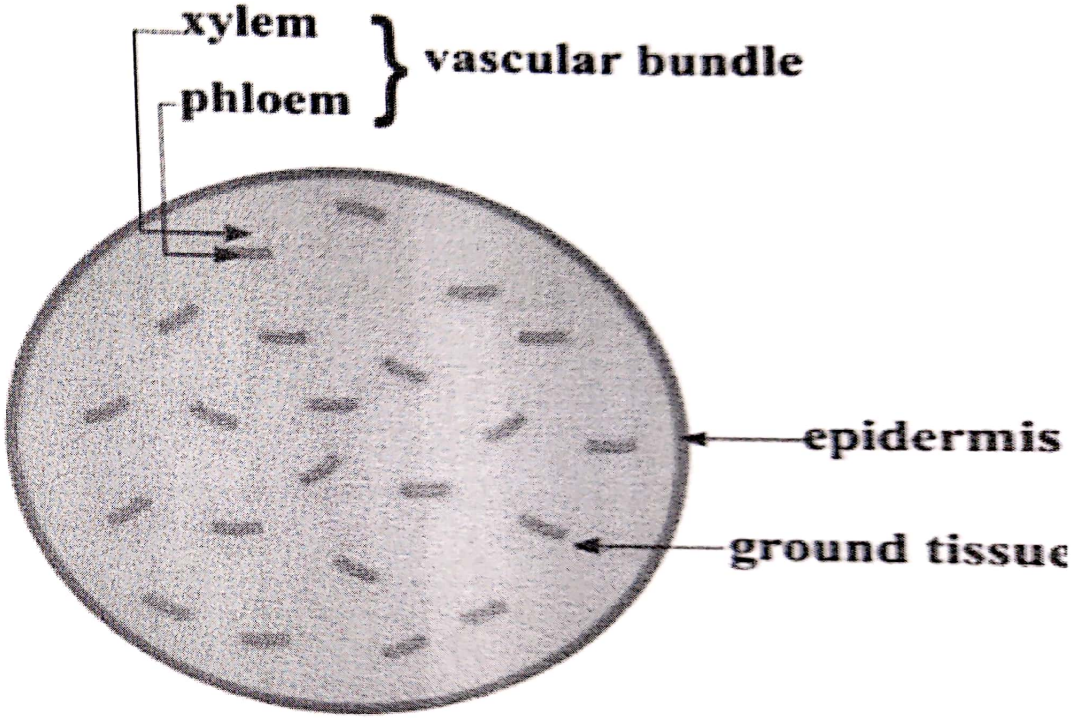

Dicot

Scanned with OKEN Scanner

Cortex

Dicot Stem

Cortex is well developed.

Hypodermis is collenchymatous.

Parenchymatous general cortex and distinct endodermis are present.

Stele is eustele.

Stele is less extensive.

Monocot stem

Cortex is poorly developed.

Hypodermis is sclerenchymatous.

Cortex and endodermis are not distinct.

Stele is Atactostele.

Stele is well represented or in other words occupies more space.

Scanned with OKEN Scanner

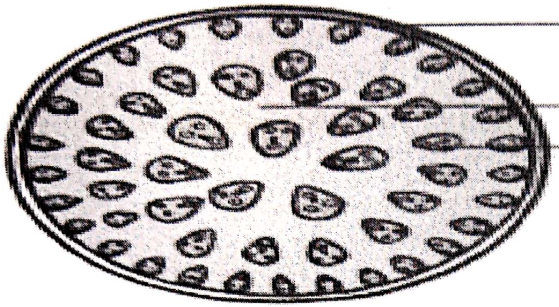

Ground plan

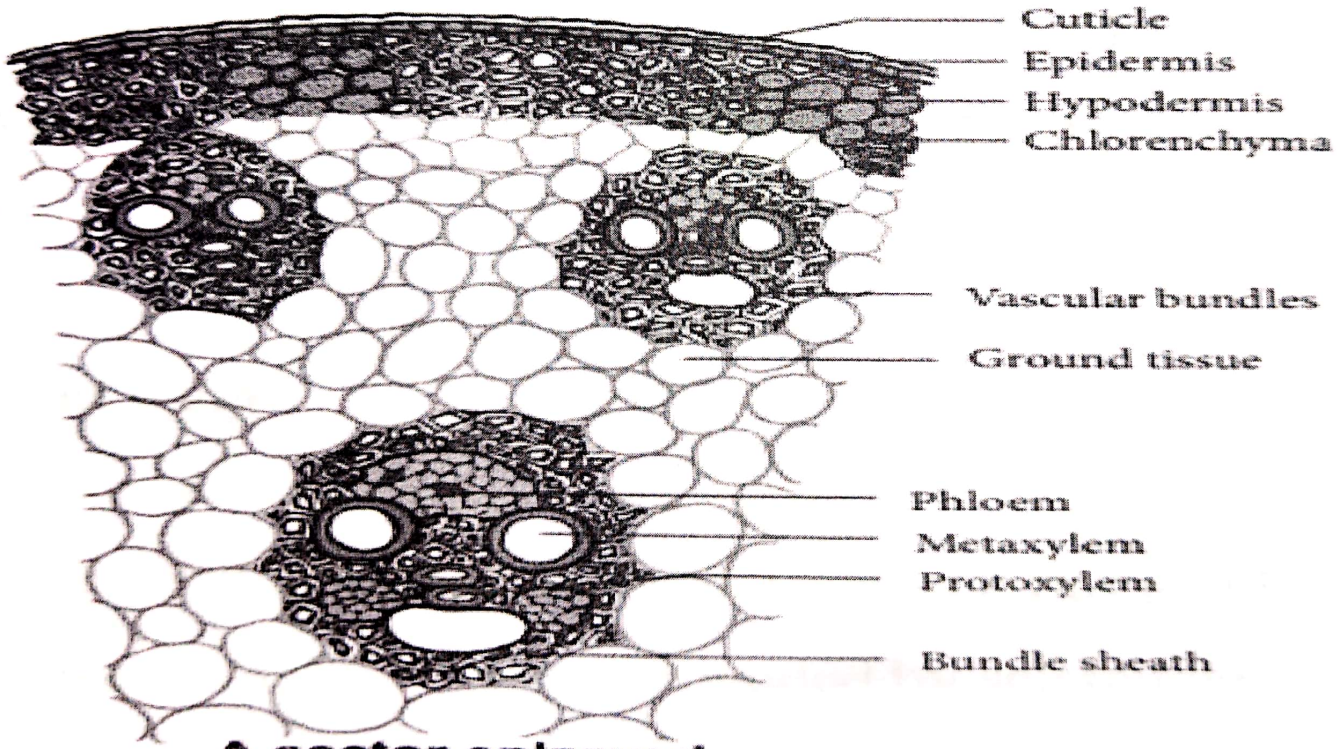

A sector enlarged

Transverse section of Monocot stem

Scanned with OKEN Scanner

Dicot stem

- Pericycle is sclerenchymatous which may be either in form of a continuous r or in patches.
- The limited vascular bundles are arranged in form of a ring.
- The vascular bundles are not covered by any sheath.
- The vascular bundles are wedge shaped collateral, conjoint open with endar xylem.

Monocot stem

- Pericycle is absent.
- In the stele the vascular bundles are numerous and irregularly scattered.
- The vascular bundles are surrounded by sclerenchymatous sheath.
- The vascular bundle are oval, conjoint collateral.

Scanned with OKEN Scanner

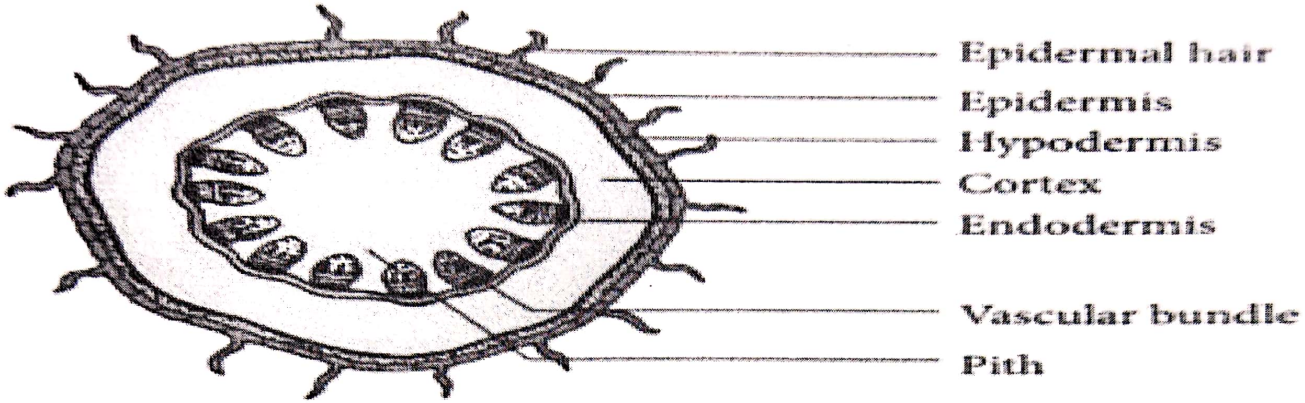

Ground plan

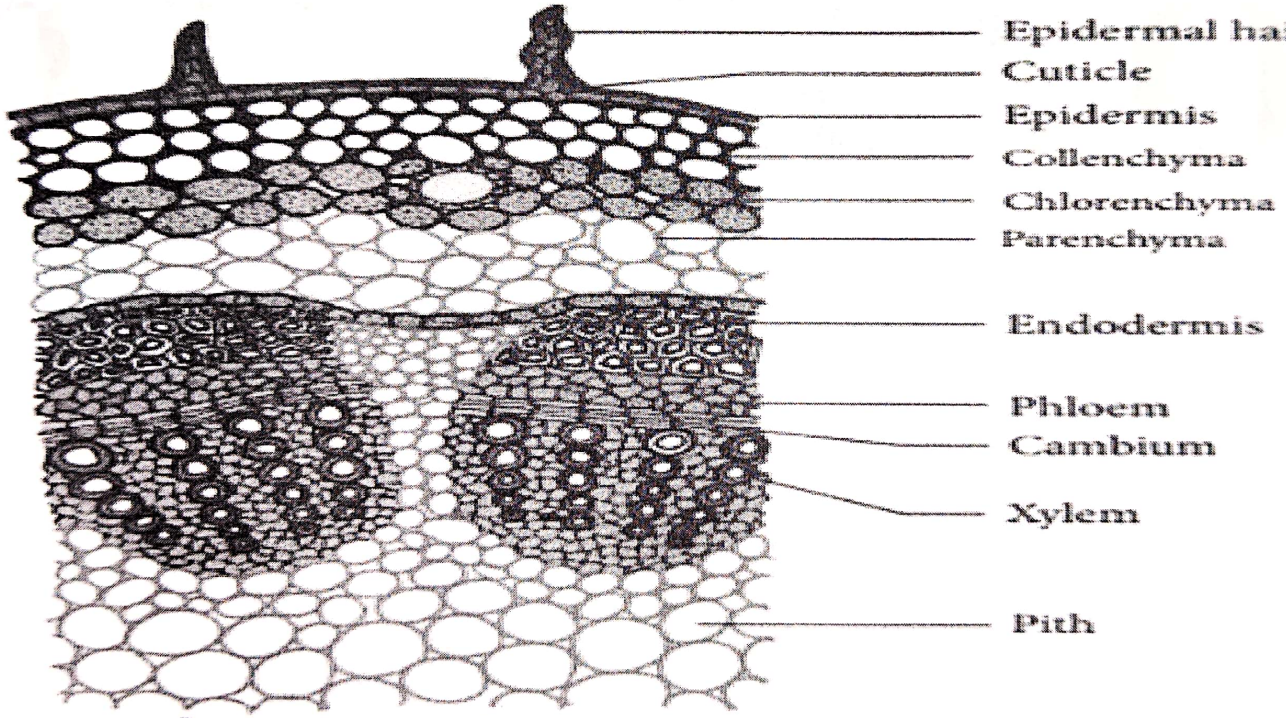

A sector enlarged

Transverse section of Dicot stem

Scanned with OKEN Scanner

THANK YOU

Scanned with OKEN Scanner

दलित मित्र कदम गुरुजी विज्ञान महाविद्यालय, मंगळवेढा

हिंदी विभाग

Use of ICT-2023-24

- PPT

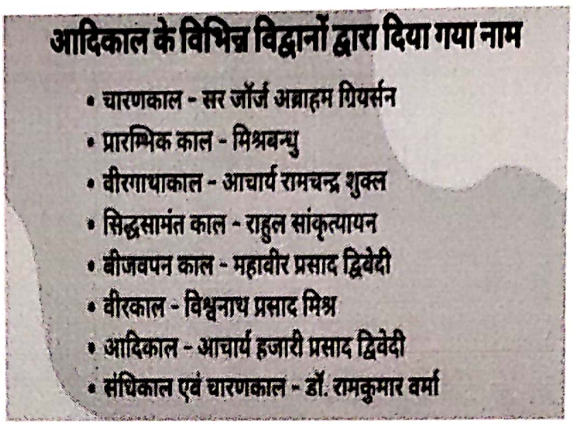

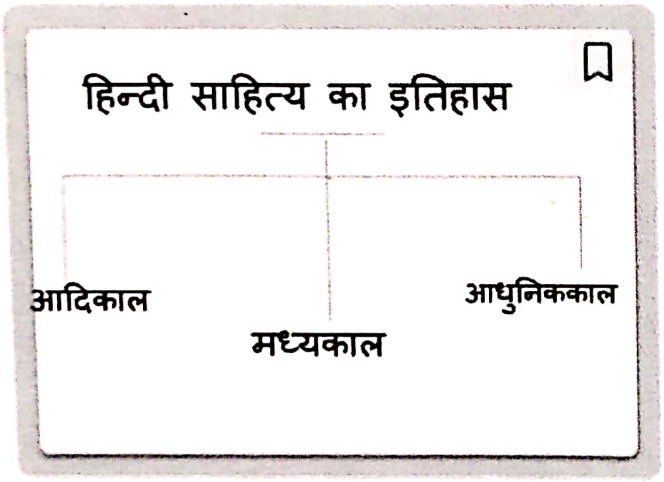

आदिकाल की विशेषताएँ

1.वीर रस की प्रधानता।
2.युद्धों का सजीव चित्रण।
3.ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण।
4.श्रृंगार एवं अन्य रसों का समावेश।
5.प्राकृत, अपभ्रंश, डिंगल एवं पिंगल भाषा का प्रयोग।
6.आश्रयदाताओं की प्रशंसा एवं उनका गान।

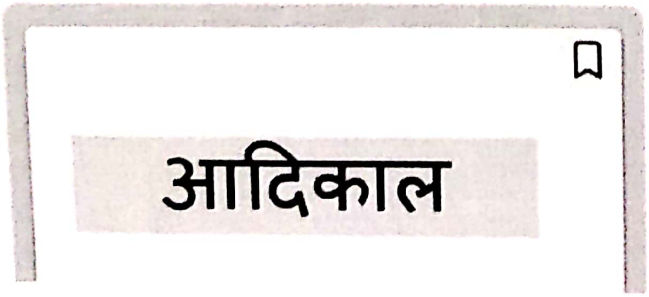

आदिकालीन साहित्य

1.सिद्ध साहित्य
कवि- सरहपा(दोहाकोष)
2. जैन साहित्य
कवि- देवसेन (श्रावकाचार)
3. नाथ साहित्य
कवि - गोरखनाथ (गोरखबाणी)
4. रासो साहित्य
कवि - चंदबरदाई (पृथ्वीराज रासो)
अन्य रचनाएं एवं कवि

Scanned with OKEN Scanner

भक्ति काल में निर्गुण काव्यधारा

पूजा रानी, सहायक प्राध्यापिका (हिंदी)
राजकीय महाविद्यालय,
आदमपुर (हिसार)

भक्ति काल

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

पूर्व मध्यकाल या भक्ति काल (1350 ई० - 1650 ई०)

भक्ति काल के कवि मुख्यतः दो काव्य धाराओं में विभाजित हैं

- निर्गुण काव्य धारा
  - संत
  - सूफी
- सगुण काव्य धारा
  - राम भक्ति
  - कृष्ण भक्ति

निर्गुण भक्तिधारा

- रामचन्द्र शुक्ल इसे ज्ञानाश्रयी शाखा नाम देते हैं।
- डॉ० रामकुमार वर्मा इसे संतकाव्य की संज्ञा से अभिहित करते हैं।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी इसे निर्गुण भक्ति साहित्य कहते हैं।

भक्ति काल में निर्गुण काव्यधारा

पूजा रानी, सहायक प्राध्यापिका (हिंदी)
राजकीय महाविद्यालय,
आदमपुर (हिसार)

भक्ति काल

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

पूर्व मध्यकाल या भक्ति काल (1350 ई० - 1650 ई०)

भक्ति काल के कवि मुख्यतः दो काव्य धाराओं में विभाजित हैं

- निर्गुण काव्य धारा
  - संत
  - सूफी
- सगुण काव्य धारा
  - राम भक्ति
  - कृष्ण भक्ति

निर्गुण भक्तिधारा

- रामचन्द्र शुक्ल इसे ज्ञानाश्रयी शाखा नाम देते हैं।
- डॉ० रामकुमार वर्मा इसे संतकाव्य की संज्ञा से अभिहित करते हैं।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी इसे निर्गुण भक्ति साहित्य कहते हैं।

सूरदास

मीराबाई

निर्गुण भक्तिधारा की विशेषताएँ

१. मूर्ति पूजा तथा अवतारवाद का विरोध (इस्लाम के एकेश्वरवाद के कारण, किन्तु [illegible] शंकर के अद्वैत के कारण)

२. वर्णभेद, जातिप्रथा का विरोध (मनुष्य-मनुष्य को महत्व)

३. सद्गुरु की उपासना ब्रह्म के रूप में

४. शास्त्रीय ज्ञान की अनिवार्यता निषेध

५. शास्त्रीय ज्ञान की अनिवार्यता निषेध

६. नाम स्मरण को महत्व

७. दोहा और पद शैली में रचनाएँ

८. ब्रज-अवधी मिश्रित सधुक्कड़ी भाषा

[illegible]

निर्गुण भक्तिकाव्य पर प्रभाव

१. संतों के विचार, जीवन दर्शन और काव्यकला पर उपनिषदों का व्यापक प्रभाव है। उपनिषदों में प्रतिपादित ब्रह्म, जीव, जगत और माया सम्बन्धी विचारधारा के साथ ही ब्रह्म के स्वरूप वर्णन में प्रयुक्त उपमानों और अप्रस्तुत योजनाओं को उसी रूप में ग्रहण किया

२. संत काव्यधारा शंकर के अद्वैत दर्शन से प्रभावित है। [illegible]

निर्गुण भक्तिकाव्य पर प्रभाव

३. संत काव्य में [illegible] से प्रभावित है। [illegible]

४. संत काव्यधारा पर जैन साहित्य का भी प्रभाव रहा है। [illegible]

५. इस्लाम से प्रभावित होने के कारण वह एकेश्वरवाद का प्रतिपादन तथा मूर्तिपूजा एवं अवतारवाद का विरोध करते हैं।

निर्गुण भक्तिधारा

दार्शनिक दृष्टि से अद्वैतवाद (कबीर, दादू, मलूकदास) और भेदाभेदवाद (नानक)। भेदाभेदवाद में जीव तथा ब्रह्म में छोटे-बड़े का अंतर

कबीर से पूर्व के कवि- चक्रधर, ज्ञानेश्वर, मुक्ताबाई

ये सभी कवि निम्न वर्ग के थे। आज इनके नाम पर अलग-अलग पंथ और सम्प्रदाय स्थापित हो गये हैं।

कबीर- कबीर पंथ, रैदास- रैदासी सम्प्रदाय, नानक- सिख पंथ, लालदास- लाल पंथ, दादू दयाल- दादू पंथ, हरिदास- निरंजनी सम्प्रदाय, मलूकदास- मलूक पंथ

निर्गुण भक्तिकाव्य पर प्रभाव

६. संत काव्य में प्राप्त साम्प्रदायिक प्रतीकों की उपलब्धि पर सूफी दर्शन का प्रभाव परिलक्षित होता है। सूफियों द्वारा धार्मिक कटुता को समाप्त करके जो प्रेम, सहिष्णुता, औदार्य एवं मधुरता का प्रचार किया गया वह संत कवियों के सहयोग से ही संभव हुआ।

७. संत कवियों ने वैदिक [illegible], वैदिक परम्पराओं और वाह्याचारों का जो विरोध किया वह बौद्ध धर्म की अनुकृति है।

निर्गुण भक्तिधारा

प्रमुख उद्देश्य	उत्पीड़ित मानव को ज्ञान तथा मानव हित
साधना प्रणाली	योग साधना- कुण्डलिनी जागरण को महत्त्व- कबीर, सुन्दरदास, हरिदास
साधना प्रणाली	सहज साधना- योग का अभाव- नानक, रैदास दादू, रज्जब

Scanned with OKEN Scanner

- **USE OF WHAT'Sapp , SHARE NOTES**

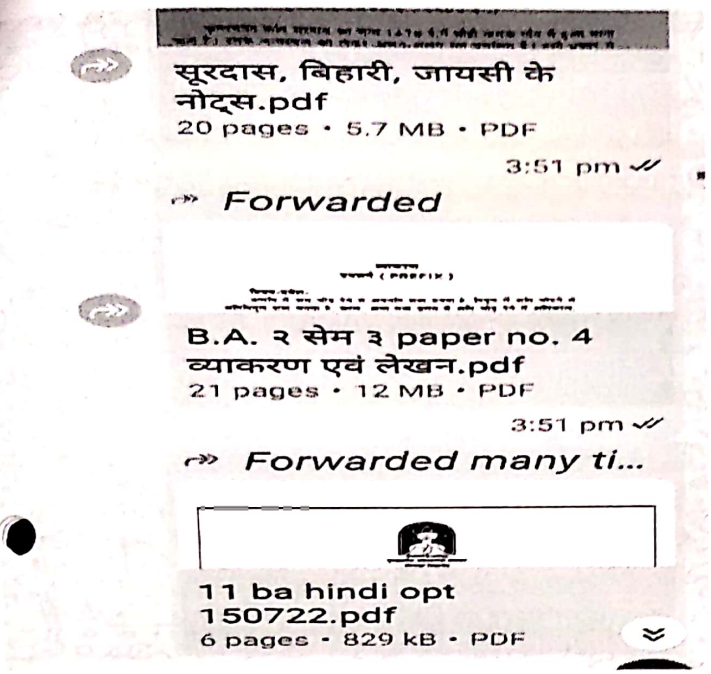

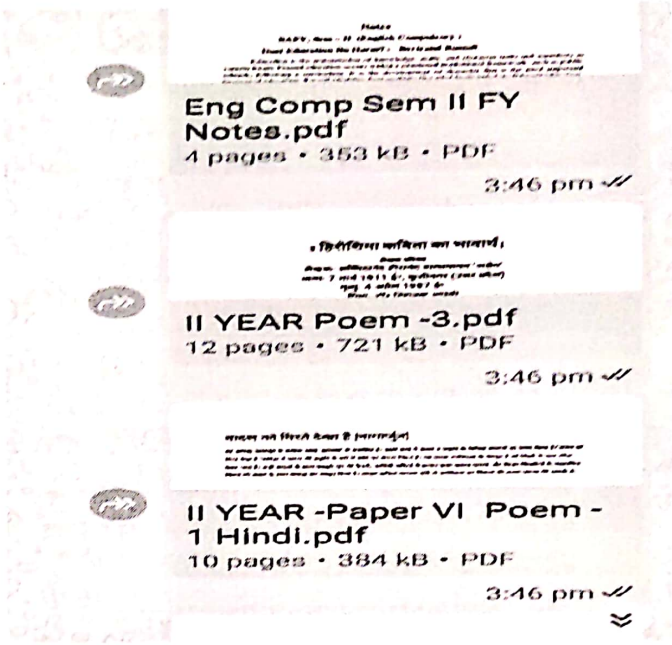

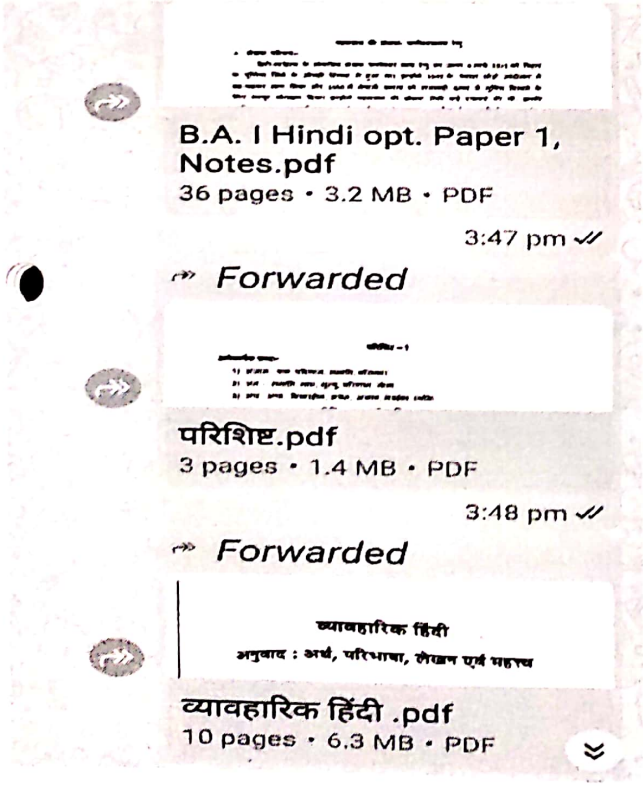

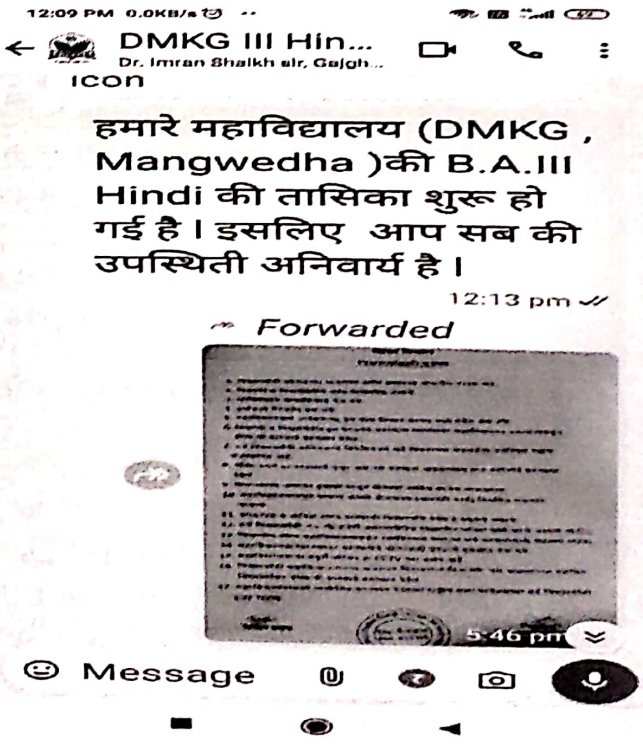

Scanned with OKEN Scanner

SHARE LINKS OF SYLLABUS IN HINDI

https://www.arsdcollege.ac.in/wp-content/uploads/2020/04/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%A6%E0%A5%80-%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF-%E0%A4%87%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B8-%E0%A4%B2%E0%A5%87%E0%A4%96%E0%A4%A8-%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%9A%E0%A4%AF.pptx

https://www.slideserve.com/jaime-ty

https://www.slideserve.com/jaime-tyler/5829771ler/5829771

https://www.slideshare.net/slideshow/bhakti-dhara-final/243494860

http://kavitakosh.org/kk/%E0%A4%95%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%B5%E0%A5%80%E0%A4%B0_/_%E0%A4%85%E0%A4%AF%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE_%E0%A4%B8%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%B9_%E0%A4%89%E0%A4%AA%E0%A4%BE%E0%A4%A7%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%AF_%E2%80%98%E0%A4%B9%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%94%E0%A4%A7%E2%80%99

https://www.hindikunj.com/2021/11/karamveer-ayodhya-singh-upadhyay.html?m=1

https://www.scribd.com/document/548949266/%E0%A4%86%E0%A4%A6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B2-%E0%A4%95%E0%A5%80-%E0%A4%AA-%E0%A4%B0%E0%A4%B8-%E0%A4%A4%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%A8%E0%A4%BE

https://www.bookshindi.com/product/dus-pratinidhi-kahaniyan-bhagwandas-morwal-pb/

https://hi.m.wikibooks.org/wiki/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E04%B8%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF%20%E0%A4%95%E0%A5%87%20%E0%A4%87%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B8%20%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82,%E0%A4%95%E0%A4%BE%20%E0%A4%85%E0%A4%A7%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%AF%E0%A4%A8%20%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE%20%E0%A4%9C%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A4%BE%20%E0%A4%B9%E0%A5%88%E0%A5%A4

https://www.hindisamay.com/writer/%E0%A4%AD%E0%A4%97%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%A6%E0%A4%BE%E0%A4%B8-%E0%A4%AE%E0%A5%8B%E0%A4%B0%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B2.cspx?id=2266&name=%E0%A4%AD%E0%A4%97%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%A6%E0%A4%BE%E0%A4%B8-%E0%A4%AE%E0%A5%8B%E0%A4%B0%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B2

HEAD
Department of Hindi
Dalit Mitra Kadam Guruji
Mahavidyalaya Mangalwedha.

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षण प्रसारक मंडळ मंगळवेढा
दलित मित्र कदम गुरुजी विज्ञान महाविद्यालय मंगळवेढा
मराठी विभाग पॉवर पॉइंट प्रेझेंटेशन २०२३-२४
प्रा. पूनम तडके
विषय- मराठी
BA-II पेपर क्र. ३
रथ कादंबरी - डॉ. रंगनाथ पठारे

For Principal
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Tal-Mangalwedha Dist - Solapur

IQAC
Coordinator
Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan
Mahavidyalaya,Mangalwedha

HEAD
Department of Marathi
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha.

घटक क्र. १ कादंबरी: संकल्पना व स्वरूप

घटक क्र. २ रंगनाथ पठारे जीवन व साहित्य

घटक क्र. ३ रथ कादंबरीचे स्वरूप आणि विश्लेषण

घटक क्र. ४ घटक उपयोजित मराठी: म्हणीवरून कथालेखन

शिक्षण प्रसारक मंडळ मंगळवेढा
दलित मित्र कदम गुरुजी विज्ञान
महाविद्यालय
मंगळवेढा
मराठी विभाग पॉवर पॉइंट प्रेझेंटेशन २०२३-
२४
प्रा. पूनम तडके
विषय- मराठी
मध्ययुगीन मराठी वाङ्‌मयाचा इतिहास

Principal
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Tal-Mangalwedha Dist - Solapur

IQAC
Coordinator
Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan
Mahavidyalaya,Mangalwedha

घटक क्र. १ मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय संकल्पना व स्वरूप

अ.मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय संकल्पना
आ. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय प्रकार
इ. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय वाटचाल

घटक क्र. 2 महानुभावीय वाङ्मय: प्रेरणा व स्वरूप

अ.महानुभवीय वाङ्मयाच्या प्रेरणा व पार्श्वभूमी
आ. महानुभव वाङ्मयाचे स्वरूप व तत्त्वज्ञान
इ. महानुभवीय वाङ्मयाची ग्रंथसंपदाई. महानुभावीय वाङ्मयाचा आचारधर्म

घटक क्र. ३ वारकरी संप्रदाय: प्रेरणा, स्वरूप व वैशिष्ट्ये

अ. वारकरी संप्रदायाच्या प्रेरणा व पार्श्वभूमी

आ. वारकरी संप्रदायाचे स्वरूप व तत्त्वज्ञान

इ. संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव संत मेळा:- संत गोरा कुंभार, संत नरहरी सोनार, संत चोखामेळा, संत कर्म मेळा, संत सेना महाराज, संत मुक्ताबाई, संत जनाबाई

घटक क्र.४ वारकरी संप्रदायाचा विस्तार

अ.संत एकनाथ, संत तुकाराम

आ. संत साहित्याची वैशिष्ट्ये

इ. वारकरी संप्रदायाचा आचारधर्म

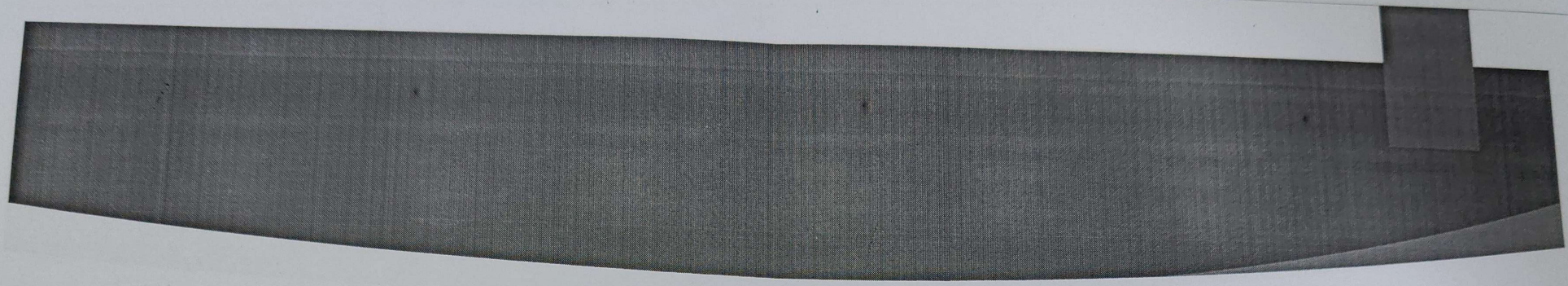

शिक्षण प्रसारक मंडळ मंगळवेढा

दलित मित्र कदम गुरुजी विज्ञान महाविद्यालय मंगळवेढा

मराठी विभाग

पावर पॉइंट प्रेझेंटेशन 2023-24

प्रा.पल्लवी भोजने

For Principal
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Tal-Mangalwedha Dist - Solapur

IQAC
Coordinator
Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan
Mahavidyalaya, Mangalwedha

Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Dist-Solapur
Pin -413305

HEAD
Department of Marathi
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha.

विषय मराठी

BAII

पेपर क्रमांक 4

तुकोबा (कवितासंग्रह)- डॉ.राजेंद्र दास.

Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Dist-Solapur
Pin -413305
AnyScanner

कविता संकल्पना सर्व व्याप्ती.

कवितेच्या व्याख्या

कवितेचे घटक

कवितेची वाटचाल

Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyalaya
Dist-Solapur
Pin -413305

AnyScanner
SCAN

तुकोबा कवितासंग्रहाचा आशय

Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyalaya * Mangalwedha * Dist-Solapur Pin -413305

दलित मित्र कदम गुरुजी विज्ञान महाविद्यालय
मंगळवेढा पीपीटी प्रेझेंटेशन
डिपार्टमेंट मराठी

बीए भाग- 3 मराठी

पेपर नंबर 8. व 13 (भाषा विज्ञान आणि व्याकरण)

मराठी व्याकरण

प्रा.पल्लवी भोजने

For Principal
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha
Ta... Mangalwedha Dist - Solapur

IQAC
Coordinator
Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan
Mahavidyalaya, Mangalwedha

HEAD
Department of Marathi
Dalit Mitra Kadam Guruji
Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha.

वर्णमाला (स्वर, स्वरादी व व्यंजने)

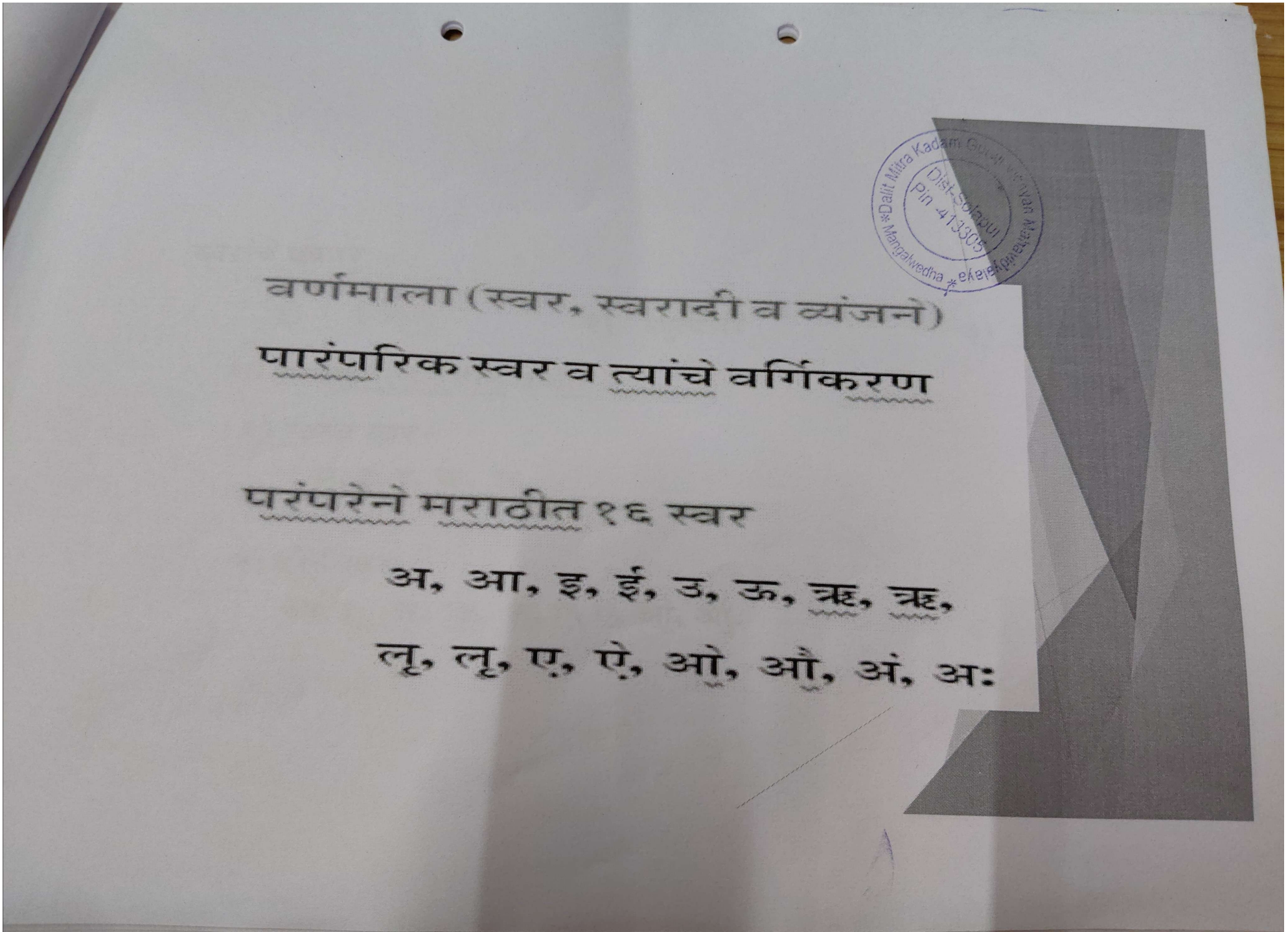

पारंपरिक स्वर व त्यांचे वर्गीकरण

परंपरेने मराठीत १६ स्वर

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ,

ऌ, ॡ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः

Dalit Mitra Kadam Guruji ... Mahavidyalaya Mangalwedha Dist-Solapur Pin-413305

AnyScanner

स्वरांचे प्रकार

१) उच्चार २) व्युत्पत्ती ३) स्वरूप

अ) उच्चारानुसार दोन प्रकार

१) ऱ्हस्व स्वर -

अ, इ, उ, ऋ, लृ.

२) दीर्घ स्वर-

आ, ई, ऊ, ॠ, ॡ, ए, ऐ, ओ, औ.

ब) व्युत्पत्तीनुसार दोन प्रकार

१) सिद्ध स्वर (मूळ स्वर)

अ, इ, उ, ऋ, लृ.

२) साधित स्वर (मूळ स्वरापासून उत्पन्न)

आ, ई, ऊ, ॠ, ॡ.

Dalit Mitra Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha Dist-Solapur Pin -413305

क) स्वरूपावरून दोन प्रकार

१) सजातीय स्वर - समान प्रयत्नाने उत्पन्न-

अ-आ, इ-ई, उ-ऊ, ऋ-ऋ, लृ-लृ.

२) विजातीय स्वर- भिन्न प्रयत्नाने उत्पन्न-

अ - इ, अ - उ, इ - उ, इ - ए.

Dada Mitra Kadam Guruji Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha Dist-Solapur Pin -413305

AnyScanner

शब्दांच्या जाती

---

१. विकारी २. अविकारी

विकारी- १ नाम २ सर्वनाम ३ विशेषण ४ क्रियापद

- नाम- व्याख्या वैशिष्ठ्ये
- **नामाचे प्रकार**

१. धर्मिवाचक नाम २. धर्मवाचक नाम

- सर्वनाम- व्याख्या,
- **सर्वनामाचे प्रकार**
- १. पुरूषवाचक सर्वनाम २. दर्शक सर्वनाम ३. संबंधी सर्वनाम
- ४. प्रश्नार्थक सर्वनाम ५. अनिश्चित सर्वनाम ६. आत्मवाचक सर्वनाम

Dalit Mitra ... Jnan Vidnyan Mahavidyalaya Mangalwedha Dist-Solapur Pin 413305

AnyScanner

- सर्वनाम- व्याख्या,
- **सर्वनामाचे प्रकार**
- १. पुरुषवाचक सर्वनाम २. दर्शक सर्वनाम ३. संबंधी सर्वनाम
- ४. प्रश्नार्थक सर्वनाम ५. अनिश्चित सर्वनाम ६. आत्मवाचक सर्वनाम

*Dalit Mitra Kadam Guruji ... Mahavidyalaya * Mangalwedha Dist-Solapur Pin-413305

विशेषण-

व्याख्या, वैशिष्ठ्ये, प्रमुख तीन प्रकार

- १. योजना व उपयोग २. व्युत्पत्ती ३. स्वरूप व गुणधर्म

१. योजना व उपयोग १. अधिविशेषण २. विधिविशेषण

२. व्युत्पत्ती १. सिद्ध विशेषण २. साधित विशेषण

३. स्वरूप व गुणधर्म- १. गुणविशेषण २. संख्याविशेषण ३. सार्वनामिक विशेषण

SCAN AnyScanner

क्रियापद

- व्याख्या, वैशिष्ट्ये, प्रकार

१. अर्थावरून २. व्युत्पत्तीवरून ३. उपयोगावरून

१. अर्थावरून - १. सकर्मक क्रियापद २. अकर्मक क्रियापद
३. द्विकर्मक क्रियापद ४. उभयविध

२. व्युत्पत्तीवरून - १. सिद्ध क्रियापद २. साधित क्रियापद

३. उपयोगावरून - १. प्रयोजक २. शक्य धातू ३. साहाय्य धातू

क्रियापद

- व्याख्या, वैशिष्ट्ये, प्रकार

१. अर्थावरून २. व्युत्पत्तीवरून ३. उपयोगावरून

१. अर्थावरून - १. सकर्मक क्रियापद २. अकर्मक क्रियापद
३. द्विकर्मक क्रियापद ४. उभयविध

२. व्युत्पत्तीवरून - १. सिद्ध क्रियापद २. साधित क्रियापद

३. उपयोगावरून - १. प्रयोजक २. शक्य धातू ३. साहाय्य धातू

केलवप्रयोगी अव्यय

व्याख्या, प्रकार

१. हर्षद्योतक

२. शोकद्योतक

३. आश्चर्यद्योतक

४. अनुमोदन प्रशंसद्योदक

५. तिरस्कार द्योतक

६. उद्वेगविरक्तीद्योतक

७. स्तब्धता मौन प्रतिबंधद्योतक

८. स्वीकारद्योतक

९. विरोधद्योतक

१०. संबोधनद्योतक

११. वाक्यमय द्योतक

उभयान्वयी अव्यय

व्याख्या, प्रकार

१. प्रधानवाक्यसूचक २. गौणवाक्यसूचक

प्रधानवाक्यसूचक-

१. समुच्चयबोधक २. विकल्पबोधक
३. न्युनत्वबोधक ४. परिणामबोधक

गौणसूचक-

१. कारणदर्शक २. उद्देशदर्शक
३. संकेतदर्शक ४. स्वरूपदर्शक

शब्दयोगी अव्यय-

व्याख्या, वैशिष्ट्ये, प्रकार-

१ कालवाचक

२. स्थलवाचक

३. गतीवाचक

४. हेतूवाचक

शुद्ध शब्दयोगी अव्यय

साधित शब्दयोगी अव्यय

क्रियाविशेषण

व्याख्या, वैशिष्ट्ये प्रमुख प्रकार-

१. स्वरूपमूलक २. अर्थमूलक

१. स्वरूपमुलक क्रियाविशेषण अव्यय- १. सिद्ध २. साधित ३. स्थानिक

२. अर्थमूलक क्रियाविशेषण अव्यय-

१. स्थलवाचक २. कालवाचक

३. संख्या वा परिमाणवाचक ४. रीती वा गुणवाचक

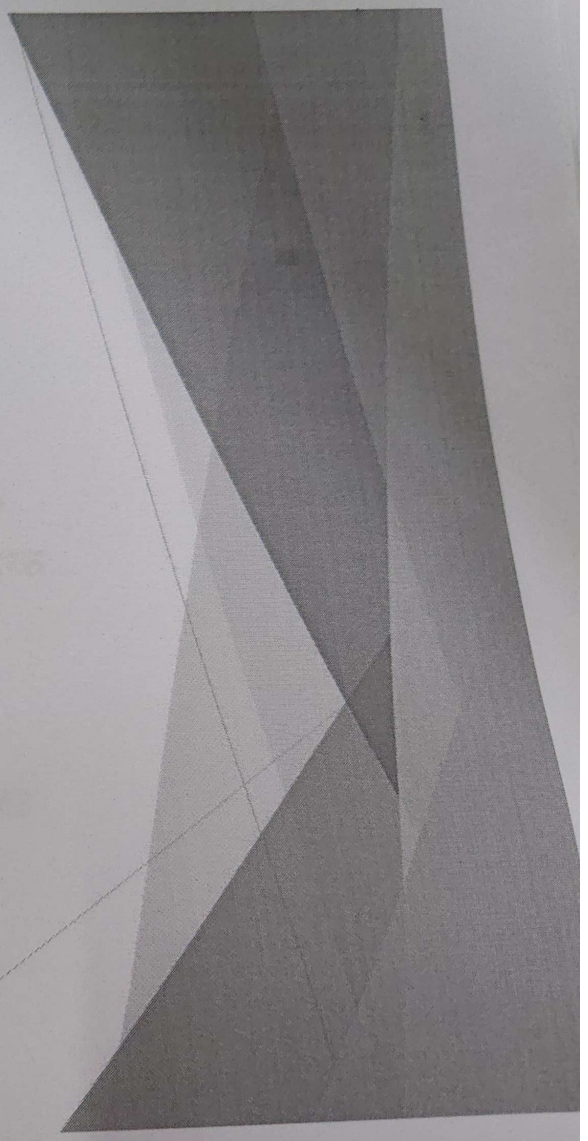

उभयान्वयी अव्यय

व्याख्या, प्रकार

१. प्रधानवाक्यसूचक २. गौणवाक्यसूचक

प्रधानवाक्यसूचक-

१. समुच्चयबोधक २. विकल्पबोधक
३. न्युनत्वबोधक ४. परिणामबोधक

गौणसूचक-

१. कारणदर्शक २. उद्देशदर्शक
३. संकेतदर्शक ४. स्वरूपदर्शक

शब्दयोगी अव्यय-

व्याख्या, वैशिष्ट्ये, प्रकार-

१ कालवाचक
२. स्थलवाचक
३. गतीवाचक
४. हेतूवाचक

शुद्ध शब्दयोगी अव्यय

साधित शब्दयोगी अव्यय